



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड
तिमाही 3/9 माह वि.व. 20-21 ट्रांसक्रिप्ट

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

तिमाही 3/9 माह वि.व. 20-21

सम्मेलन कॉल

11 फरवरी 2021



P Prabhudas
Lilladher
POWERING YOUR FINANCIAL GROWTH

प्रबंधन: पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन की टीम:-

- | | |
|-------------------------|---|
| - श्री आर.एस. ढिल्लों | - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक |
| - श्री पी.के. सिंह | - निदेशक (वाणिज्यिक एवं अतिरिक्त प्रभार परियोजना) |
| - सुश्री परमिंदर चोपड़ा | - निदेशक (वित्त) |

मॉडरेटर: श्री प्रितेश बंब - प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड



शुभ दिवस, देवियो एवं सज्जनों, और प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन की तीसरी तिमाही-वित्तीय वर्ष 21 परिणाम पश्चात सम्मेलन कॉल में आपका स्वागत है। याद दिलाने के लिए, सभी प्रतिभागी लाइनें केवल सुनने के मोड में होंगी, और आपको प्रस्तुतीकरण की समाप्ति पर प्रश्न पूछने का अवसर दिया जाएगा। (परिचालक के अनुदेश)

अब मैं प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड से श्री प्रितेश बंब को सम्मेलन की कमान सौंपता हूँ। धन्यवाद, और प्रितेश अब आपकी बारी।

प्रितेश बंब

धन्यवाद, अली। सभी को शुभ दोपहर। पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रतिनिधि श्री आर.एस. ढिल्लों, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का स्वागत है। उनके साथ दो निदेशकगण भी उपस्थित हैं। पहले सीएमपी द्वारा परिणामों पर थोड़ी टिप्पणी की जाएगी और तब सवाल-जवाब किए जाएंगे। धन्यवाद, महोदय अब आप संभालें।

रवींद्र सिंह ढिल्लों

सभी को शुभ संध्या। मैं आप सभी का इस सम्मेलन कॉल में स्वागत करता हूँ। आज, हमने दिसंबर 2020 को समाप्त तीसरी तिमाही एवं नौ माह के लिए परिणाम घोषित किए हैं। और हम अवधि के दौरान पीएफसी के निष्पादन को साझा करने के लिए आज यह कॉल आयोजित कर रहे हैं। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अब कोविड हालात सुधर रहे हैं, और अर्थव्यवस्था कोविड से पहले के स्तर की ओर जा रही है।

इस दृष्टि से, मैं विद्युत क्षेत्र के आउटलुक के बारे में स्थिति साझा करते हुए अपनी बात शुरू करूंगा। बिजली उत्पादन मोर्चे पर, मैं बताना चाहूंगा कि कोविड महामारी के बाद, बिजली उत्पादन ने पिछले पाँच माह से वृद्धि ट्रीजेक्टरी का सामना किया है, और अब यह पुनर्जीवन मार्ग पर है।

साथ ही, जैसा कि कोविड लॉकडाउन के बाद आर्थिक गतिविधियां बढ़ रही हैं, अतः विद्युत की मांग में भी सुधार आ रहा है। दिसंबर में, हमने 189.6 गीगावाट के अधिकतम आंकड़ों को छुआ है। विद्युत मांग पर महामारी के नकारात्मक प्रभाव अब धीरे-धीरे कम हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त, सुधरे हुए माइक्रो आर्थिक बैकड्रॉप और सतत उत्पादन वृद्धि पर विचार करते हुए, मूडीज ने भारतीय विद्युत क्षेत्र के लिए आउटलुक का नेगेटिव से स्टेबल में अपग्रेड कर दिया है। आर्थिक संकेतकों में सुधार की दृष्टि से, मूडीज ने विद्युत मांग में सुधार की क्षमता एवं क्षेत्र के लिए और अधिक स्टेबल पिक्चर की परिकल्पना की है। साथ ही, माननीय वित्त मंत्री द्वारा हाल ही में घोषित बजट में विद्युत क्षेत्र के लिए समर्थनकारी उपाय किए गए हैं।

सरकार ने विद्युत वितरण क्षेत्र के लिए सुधार-आधारित, परिणामोन्मुख योजना घोषित की जिसमें पाँच वर्ष के भीतर 3 ट्रिलियन रुपए के करीब के आउटले की परिकल्पना शामिल है। मैं मानता हूँ कि यह वितरण क्षेत्र के सुदृढीकरण में सहायक होगा और संपूर्ण विद्युत क्षेत्र मूल्य कड़ी को लाभ पहुंचाएगा। इसके अतिरिक्त, सरकार की स्वच्छ ऊर्जा की कड़ी में, सरकार ने रेल ट्रैकों के साथ और रेलवे के स्वामित्व की ज़मीनों पर बड़ी सौर विद्युत क्षमता की स्थापना की योजना की घोषणा की है। मुझे लगता है कि ये उपाय पीएफसी के लिए ऋण संबंधी नए रास्ते खोल देगा।



दबावग्रस्त परिसंपत्ति मोर्चे पर, भी, सरकार ने मौजूदा दबावग्रस्त ऋण को सौंपने और उनका अगले निवेश निधि के माध्यम से प्रबंधन करने के लिए एआरसी एवं एएमसी की स्थापना का प्रस्ताव किया है। इसके अतिरिक्त, सरकार ने एनसीएलटी फ्रेमवर्क के सुदृढीकरण के लिए भी प्रस्ताव किया है। मुझे लगता है कि यह ऋणदाता के तुलन-पत्र से दबाव को कम करने में मददगार होगा और यह दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के शीघ्र समाधान में सहायक होगा। मैं मानता हूँ कि विद्युत उत्पादन एवं विद्युत मांग में पुनर्जीवन तथा विद्युत क्षेत्र के लिए विभिन्न सुधारात्मक उपाय न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था कि वृद्धि को धक्का लगाने अपितु विद्युत क्षेत्र के लिए भी सकारात्मक उत्प्रेरक हैं।

अब मैं आपसे तिमाही के लिए मुख्य वित्तीय विशेषताएं साझा करूंगा। तो मैं पहले पीएफसी के एकल वित्तीय निष्पादन पर अद्यतन जानकारी से शुरू करूंगा। मुझे यह साझा करने में खुशी हो रही है कि तीसरी तिमाही, 21 में पीएफसी ने 2,336 करोड़ रुपए की अधिकतम तिमाही लाभ दर्ज की, जो तीसरी तिमाही, 20 से 39% की वृद्धि है। नौ माह के लिए भी वित्तीय वर्ष 20 के पूर्ववर्ती नौ माह की तुलना में 45% की वृद्धि का लाभ देखा गया है।

अब मैं आपसे मुख्य वित्तीय संकेतकों को साझा करने जा रहा हूँ। तीसरी तिमाही, 21 के लिए आय 10.68% पर है। यदि हम पूर्ववर्ती तिमाहियों को देखें तो आय स्थिर रेंज में ही रही है। साथ ही, हम लगातार अपनी निधियों की लागत को कम करने पर केंद्रित हैं। इस तिमाही में भी, निधियों की लागत 7.48% पर है, यह तीसरी तिमाही, 20 से 27 बेसिस बिंदु कम है। आय और निधियों की लागत में दक्षता से चालित, तीसरी तिमाही 2020 के लिए स्प्रेड 3.2% पर है तथा एनआईएम 3.63% पर है।

साथ ही, मैं पीएफसी के पूंजी स्तरों को भी बताना चाहूंगा। तीसरी तिमाही 2021 में, पीएफसी का सीआरएआर तीसरी तिमाही 20 से 89 बेसिस बिन्दु बढ़ गया है जो 20.21% है। साथ ही, पीएफसी की निवल आय 52,015 करोड़ रुपए तक पहुँच गई है, जो पहली बार 50,000 करोड़ रुपए के मार्क से आगे पहुंची है।

पूंजी स्तरों की बात करें, तो मुझे पक्का पता है कि आप लाभांश की घोषणा का इंतज़ार कर रहे होंगे। इस पर, जैसा आपको पता होगा, आरबीआई विभिन्न फोरमों पर एनबीएफसी के लिए उचित पूंजीगत बफर बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दे रहा है। यह धारणा आरबीआई द्वारा स्थापित लाभांश के ड्राफ्ट दिशा-निर्देशों और एनबीएफसी के लिए संशोधित विनियामक फ्रेमवर्क पर आरबीआई द्वारा जारी विचार-विमर्श पेपर में भी दिखाई देती है। इस कड़ी में, पीएफसी अब पूंजी अधिग्रहण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है तथा पूंजी स्तर को ऊंचा उठा रहा है। उपर्युक्त बैकड्रॉप में, पीएफसी लाभांश घोषणा के संबंध में सरकार से चर्चा कर रहा है। इसके अतिरिक्त, हम एनबीएफसी के लिए आरबीआई द्वारा जारी लाभांश पर ड्राफ्ट दिशा-निर्देशों के कार्यान्वयन पर स्पष्टीकरण का भी इंतज़ार कर रहे हैं।

अब समेकित वित्तीय निष्पादन पर आते हैं। आपको सहर्ष सूचित किया जाता है कि तीसरी तिमाही, 21 के लिए समेकित पीएटी 3,963 करोड़ रुपए पर है, जो तीसरी तिमाही, 20 से 17% अधिक है। समेकित ऋण परिसंपत्ति बुक ने पिछली अवधि की तुलना में 31 दिसंबर 2020 तक 13% की वृद्धि दर्ज की है। पीएफसी और आरईसी दोनों में दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के कारण, समेकित निवल एनपीए अनुपात तिमाही-दर-तिमाही में घट रहा है और यह वर्तमान में 2.12% पर है।



पूर्ण रूप से, मुझे खुशी है कि चुनौतीपूर्ण वातावरण के बावजूद भी, पीएफसी ग्रुप द्वारा उल्लेखनीय वित्तीय निष्पादन किया गया।

परिसंपत्ति गुणवत्ता के संबंध में अद्यतन पर आते हुए। सबसे पहले, जैसा कि हमने पिछली कॉल में इंगित किया था, मुझे बताए हुए खुशी हो रही है कि 5,105 करोड़ रुपए का आरकेएम पावरजेन ऋण का, जिसमें पीएफसी मुख्य है, एनसीएलटी के बाहर ही सफलतापूर्वक समाधान हो चुका है और यह चरण 3 से बाहर आ गया है, जो गैर-निष्पादक श्रेणी है। परियोजना के निमित्त उपयुक्त प्रावधान उपलब्ध था, और हमें अपने पी एंड एल पर कोई मुख्य प्रभाव नहीं दिखाई देता है। इसके अतिरिक्त, एक मुख्य उपाय के रूप में, ऋण परिसंपत्ति के निमित्त 10% प्रावधान करना जारी है। इसके साथ, हमारे सकल एनपीए स्तरों में नौ माह 2020 में 8.34% की तुलना में तिमाही के दौरान 5.85% की बेहद कमी हुई है। इसके अतिरिक्त, हमारा निवल एनपीए अनुपात भी नौ माह 2020 में 3.94% की तुलना में 2.30% पर है। यह पूर्व में इंगित दर के अनुसार है।

आरकेएम समाधान के बाद, कुल 24 परियोजनाएं दबावग्रस्त हैं। इनमें से, 16,185 करोड़ रुपए की मौजूदा 14 परियोजनाओं का एनसीएलटी के माध्यम से समाधान किया जा रहा है तथा 5,161 करोड़ रुपए की बाकी सात परियोजनाओं का समाधान एनसीएलटी के बाहर हो रहा है। चरण 3 परिसंपत्तियों के निमित्त प्रावधान वाली परियोजनाओं के समाधान में सामान्य धीमी गति की दृष्टि से, मुख्यता एनसीएलटी वाली, में 61% से नौ माह 20 में 53% की संवृद्धि हुई है।

इसके अतिरिक्त, हम यह बताना चाहेंगे कि हमारे चरण 1 ऋणकर्ताओं के लिए, जो टेनजेडको हैं, रेटिंग श्रेणी बी से श्रेणी सी में पहुँच गई है। मैं आपको सूचित करना चाहूँगा कि पीएफसी ने विद्युत मंत्रालय द्वारा जारी रेटिंग का अनुसरण कर लिया है, जिसे एक विख्यात बाहरी एजेंसी द्वारा पूर्ण किया जा रहा है। अब रेटिंग में इस बदलाव के कारण, ऋणकर्ताओं के सामने करीबन 600 करोड़ रुपए का अतिरिक्त प्रावधान सृजित हो गया है। यह ईसीएल मॉडल पर प्रावधान करने के लिए इंड एस दिशा-निर्देशों के अनुसार है। इससे प्रावधान स्तरों में काफी वृद्धि हुई है। यह प्रावधान स्तरों पर ऐसी घटनाओं के प्रभावों को पकड़ने में हमारे ईसीएल मॉडल की सुदृढ़ता को भी दर्शाता है। मुझे लगता है कि प्रावधान में उपयुक्त वृद्धि के साथ, हमारा तुलन-पत्र दबावग्रस्त परिसंपत्तियों में भावी समाधान की देखभाल के लिए पूरी तरह से सुरक्षित है।

अब पीएफसी के ऋण पोर्टफोलियो की ओर आते हैं, पीएफसी सदैव ही अपने ऋण बाजार में विविधता पर जोर देता आया है। इस उद्देश्य के अनुरूप, मुझे यह बताने में खुशी हो रही है कि जनवरी 2021 में, पीएफसी ने कर-योग्य बॉण्डों के पब्लिक इश्यू के माध्यम से खुदरा निवेशकों से निधियों का जुटाव सफलतापूर्वक किया है। पीएफसी ने निवेशकों से उत्तम प्रतिक्रिया प्राप्त की जिसमें इश्यू 500 करोड़ रुपए के आधार मूल्य से 9x तक अधिशेष सब्सक्राइब हो रहा है। पीएफसी ने 4.65% से 7.15% की सीमा में प्रतिस्पर्धी लागत पर 3 से 15 वर्ष की सीमा के लिए इश्यू के अंतर्गत 4,429 करोड़ रुपए जुटाए हैं।

साथ ही, इससे पीएफसी ने नए मुकाम हासिल किए हैं। यह विद्युत क्षेत्र पीएसयू द्वारा प्रथम ऐसा इश्यू था और साथ ही पिछले दशक में पीएसयू द्वारा कर-योग्य बॉण्डों का प्रथम सार्वजनिक क्षेत्र इश्यू था।

साथ ही, यह किसी पीएसयू द्वारा इश्यू के अंतर्गत प्रथम ऐसा सफल फ्लोटिंग दर ट्रांच था, जिसमें जुटाई गई कुल निधियों में से पीएफसी 1,216 करोड़ रुपए जुटाने में सक्षम रहा। मुझे लगता है कि इसने पीएफसी के लिए नए निम्न-लागत ऋण आयाम खोल दिए हैं, और यदि बाजार अनुकूल रहा, तो हम ऐसे इश्यू के लिए भविष्य में भी विचार कर सकते हैं।



ऋणों की विविधता के हमारे उद्देश्य पर बात जारी रखते हुए, मैं यह बताना चाहूँगा कि पीएफसी ने जनवरी 2021 में 3.35% के निर्धारित कूपन और 10 वर्ष से अधिक की परिपक्वता के साथ आरईजी एस रुट के अंतर्गत यूएसडी-मूल्यवर्ग बॉण्ड के माध्यम से सफलतापूर्वक 500 मिलियन यूएसडी जुटाए। 300 मिलियन यूएसडी के आधार आकार के साथ इस इश्यू ने 5.1x के अधिशेष सब्सक्रिप्शन प्राप्त किए। इस महामारी के दौरान ऐसी उल्लेखनीय प्रतिक्रिया पीएफसी बिजनेस और साथ ही इसके क्रेडिट पोर्टफोलियो में वैश्विक निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है तथा विद्युत क्षेत्र में पीएफसी के विकास की कहानी बयान करता है। इसके अतिरिक्त, जैसा कि आपको याद होगा कि भारतीय रुपए की दर के प्रति यूएस डॉलर के एडम से हासित होने के कारण, पीएफसी के वित्तीय वर्ष 2019-20 के लाभ पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। अब इस वित्तीय वर्ष, भारतीय रुपए के प्रति यूएसडी अनुकूल सीमा की ओर बढ़ रहा है। जिससे पीएफसी के लाभ पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। हालांकि, बढ़ते हुए विदेशी मुद्रा ऋण पोर्टफोलियो से उजागर वाले जोखिम पर विचार करते हुए, विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव से हम अपने तुलन-पत्र को लगातार बचाने के प्रयास कर रहे हैं। तीसरी तिमाही, 2021 के अनुसार, पांच वर्ष तक की अवशिष्ट परिपक्वता के साथ पोर्टफोलियो के लिए विनिमय जोखिम हेतु पीएफसी का हैजिंग अनुपात 74% रहा।

मेरे बात को पूर्ण करने से पहले, मैं आपको आत्मनिर्भर डिस्कॉम योजना पर अद्यतन स्थिति साझा करना चाहूँगा। आत्मनिर्भर डिस्कॉम योजना के अंतर्गत, अब तक पीएफसी ने योजना के अंतर्गत 65,793 करोड़ रुपए संस्वीकृत किए तथा ट्रांच 1 के निमित्त 21,870 करोड़ रुपए संवितरित किए। पीएफसी और इसकी सहायक कंपनी, आरईसी, दोनों के लिए संस्वीकृतियां 1,31,726 करोड़ रुपए पर रही तथा संवितरण करीबन 46,074 करोड़ रुपए रहा। समय के साथ संवितरण में रुकावट आई है, अपितु हम आशा कर रहे हैं कि यह गति पकड़ेगा क्योंकि ट्रांच 2 के लिए संवितरण पाइपलाइन में है।

अपनी वाणी को विराम देने से पूर्व, मैं बताना चाहूँगा इस तिमाही में हमने अपने पूर्ववर्ती वायदों को पूरा करने का कार्य किया है और मैं मानता हूँ कि कठिन प्रचालनगत वातावरण होने के बावजूद भी, पीएफसी अपने वायदों को पूरा करने और सुदृढ़ कार्य-निष्पादन देने में सफल रहा है।

अब हम आपके प्रश्नों को सुनते हैं।

(प्रश्न एवं उत्तर)

बहुत-बहुत धन्यवाद। देवियो और सज्जनों, अब हम सवाल-जवाब सत्र शुरू करेंगे। (संचालक निर्देश) पहला प्रश्न मिरे एसेट से कोचर गौरव की पंक्ति से है। कृपया प्रश्न पूछें।

प्रश्न- गौरव कोचर

हाँ, शुभ संध्या, सर। मेरे प्रश्न पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। मेरे कुछ प्रश्न हैं। सबसे पहले, वितरण के साथ-साथ उत्पादन के मोर्चे पर भी, इस तिमाही में संवितरण में तेज गिरावट देखी गई। वितरण के मोर्चे पर, आपने बताया कि हमने संस्वीकृति दे दी है, और संभवतः आने वाली तिमाहियों में दूसरी ट्रांच में करेंगे। लेकिन उत्पादन के पक्ष में भी, संवितरण धीमा हो गया। इसका कोई खास कारण सर?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

कोविड के कारण, परियोजनाओं के कार्यान्वयन में देरी हुई है और सामग्री के संबंध में साइट पर जुटाव धीमा रहा है। अतः परियोजना संवितरण पिछले वर्ष के स्तर के लगभग 50% से 60% तक कम हो गया है।



प्रश्न- गौरव कोचर

ठीक है ठीक है। लेकिन यह - 2तिमाही में उत्पादन के पक्ष में, हमने बहुत अच्छा ट्रेक्षण देखा, इसलिए 2तिमाही और 3तिमाही के बीच, क्या बदल गया, श्रीमान?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

महोदय, पूर्व में संवितरण में डिस्कॉम पैकेज की ट्रांच 1 के तहत संवितरण शामिल था। इसके अलावा, हमने छह महीने के लिए स्थगन प्रदान किया था, जिसके लिए हमने ऋण के बराबर राशि संस्वीकृत की थी। तो वह संस्वीकृतियों के रूप में आ रहा है।

प्रश्न- गौरव कोचर

ठीक। अच्छा

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

हां। वितरण श्रेणी के अंतर्गत संवितरण के बारे में, तिमाही2 में, हमने आत्मनिर्भर योजना के अंतर्गत ऋणों का संवितरण शुरू कर दिया है। अधिकांश ऋण तिमाही2 में संवितरित किए गए हैं, जबकि तुलनात्मक रूप से, तिमाही3 के अंतर्गत कम संवितरण था।

प्रश्न- गौरव कोचर

ठीक है महोदय। और उत्पादन के संबंध में, 2तिमाही में, संवितरण लगभग 10,000 करोड़ रुपए था, जो इस विशेष तिमाही में घटकर 1,700 करोड़ रुपए हो गया। तो क्या यह मुख्य रूप से है, जैसा कि श्रीमान ने परियोजना के कार्यान्वयन में देरी के बारे में भी उल्लेख किया था, क्या यही कारण था?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

यह एक कारण है और दूसरा 31 अगस्त तक तिमाही2 के अंतर्गत है, हमने ऋण को स्थगन योजना के अंतर्गत बुक किया है। तदनुसार, उसे संवितरण के अंतर्गत दर्शाया गया है।

प्रश्न- गौरव कोचर

ठीक। ठीक। जरूर। और प्रावधानों पर, हमने इस तिमाही में लगभग 1,300 करोड़ रुपए का प्रावधान पूरा किया। यह सब अतिरिक्त पीसीआर के रूप में उपयोग किया जाता है? या हमने अपने पीसीआर में जो विचार किया है, उसके ऊपर हमने कुछ मानक परिसंपत्ति प्रावधान किए हैं?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

देखिए, यह मूल रूप से केवल ईसीएल पर आधारित है। लेकिन जैसा कि सर पहले ही बता चुके हैं कि चरण 1 की परिसंपत्तियों में से एक, अर्थात टैनजेडको को श्रेणी ख से श्रेणी ग में डाउनग्रेड कर दिया गया है। इसलिए 600 करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान केवल उसी के कारण था।

प्रश्न- गौरव कोचर

ठीक। लेकिन यह सब पीसीआर का हिस्सा है, 61% जिसकी हम गणना करते हैं?



उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

ठीक ठीक। 61% केवल एनपीए श्रेणी, चरण 3 के लिए है। लेकिन यह विशेष परिसंपत्ति चरण 1 श्रेणी के निमित्त है। टैनजेडको अभी भी चरण 1 में है क्योंकि हमें सभी बकाया राशि समय पर प्राप्त हो रही हैं। वार्षिक रेटिंग में सिर्फ इतना ही है, जो भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। टैनजेडको की श्रेणी को श्रेणी ख से श्रेणी ग में डाउनग्रेड कर दिया गया है। इसीलिए, अपेक्षित क्रेडिट हानि मेट्रिक्स के आधार पर, अतिरिक्त प्रावधान किया गया है।

प्रश्न- गौरव कोचर

ज़रूर। ज़रूर। तो यह 600 करोड़ रुपए एनपीए प्रावधान का हिस्सा नहीं हैं? यह अनुमानित है।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

जी, ये सही है।

प्रश्न- गौरव कोचर

ठीक है। समझ लिया। और महोदया, एनसीएलटी के अंतर्गत 17 और एनसीएलटी के बाहर सात परियोजनाओं के संबंध में, समाधान के संबंध में शायद 4 तिमाही या अगली दो तिमाहियों में, कुछ भी जो आप समाधान होते हुए देखते हैं या अगली तिमाही या अगली दो तिमाहियों में समाधान के करीब हैं?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

तो हमारे पास एनसीएलटी, झाबुआ पावर और साउथ ईस्ट यू.पी. के अंतर्गत इनमें से दो परियोजनाएं हैं। इसलिए आगे बढ़ते हुए, हम मानते हैं कि अगले छह से नौ महीनों के दौरान इनका समाधान हो जाना चाहिए।

प्रश्न- गौरव कोचर

ठीक। ठीक। ज़रूर। और मेरा आखिरी सवाल आय पर था। हमारे पोर्टफोलियो में आय पर अगला संशोधन कब किया जाएगा? और यह कितना बड़ा विभाजन और इस विभाजन के संदर्भ में होने जा रहा है? हम अपनी आय पर क्या डेल्टा देख रहे हैं?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

देखिए, अब तक आय 10.66% से 10.68% के दायरे में स्थिर रही है। लेकिन ऋण की लागत में कमी के साथ, हम उस पर काम कर रहे हैं। और शायद आगे जाकर, हम अपने ग्राहकों को कुछ हितलाभ देंगे।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

हम उस पर काम कर रहे हैं और यह हम इस तिमाही में करने जा रहे हैं।

प्रश्न- गौरव कोचर

ठीक है, इस तिमाही में संशोधन होगा ना?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

जी।



प्रश्न- गौरव कोचर

ठीक। ज़रूर। बहुत-बहुत धन्यवाद सर, और ढेर सारी शुभकामनाएं।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के कुणाल शाह की पंक्ति से है। कृपया प्रश्न पूछें।

ए- कुणाल शाह

हां। फिर से, प्रावधान पक्ष की ओर जाते हैं। तो अगर हम सितंबर से दिसंबर तक बकाया प्रावधान को देखें, तो सितंबर, यह 16,700 करोड़ रुपए था, और अब यह 16,100-विषम करोड़ रुपए हो गया है। तो निश्चित रूप से, मुझे लगता है कि यह आरकेएम बाहर जा रहा है। लेकिन फिर यह 600-करोड़ रुपए से अधिक लगता है, अतिरिक्त प्रावधान भी किया जा रहा है। तो क्या यह पूरी तरह से विशिष्ट है या हमने कुछ मानक परिसंपत्तियों का प्रावधान भी बढ़ाया है? क्योंकि वह भी 1,800 करोड़ रुपए से 3,100 करोड़ रुपए तक है। तो आर.के.एम से रिलीज के पूरे प्रावधान निवल का सटीक विभाजन क्या होगा?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

देखिए, जैसा कि आप जानते हैं कि हमने इस तिमाही के दौरान लगभग 1,300 करोड़ रुपए का अतिरिक्त प्रावधान किया है और केवल इस तिमाही के दौरान, आरकेएम के कारण, लगभग 2,000 करोड़ रुपए का उलटफेर हुआ है, जिसे प्रावधान से निकाल लिया गया है। इसलिए आपको निवल आय में 16,275 करोड़ रुपए से 16,088 करोड़ रुपए की गिरावट देखने को मिल रही है।

ए- कुणाल शाह

ठीक। तो शायद निवल आधार पर, यह लगभग 700 करोड़ रुपए कम हो रहा है?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

जी, जी, जी। और अन्य लेखों पर कुछ मामूली अतिरिक्त प्रावधान हो सकते हैं, लेकिन यह प्रमुख है।

ए- कुणाल शाह

ठीक। और क्या यह कहना उचित होगा कि 600 करोड़ रुपए उस एक लेखे के लिए है और शेष 700 करोड़ रुपए, जो कि वहाँ है, अर्थात्, फिर से, एक विशेष से अधिक है या वह भी चरण 1 और चरण 2 की ओर है? क्योंकि हम चरण 1 और चरण 2 के लिए बढ़ते प्रावधान देख रहे हैं। तो क्या यह एक मानक की तरह है, जिसने इस 1,300 करोड़ रुपए के भीतर बनाया है?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

पहले, अनुमानित ऋण हानि मॉडल के अंतर्गत, हम परियोजना विशिष्ट प्रावधान कर रहे हैं। तो कोई जनरल बफर नहीं है। तो यह विशिष्ट परिसंपत्तियों के निमित्त है कि हम प्रावधान कर रहे हैं।

ए- कुणाल शाह

ठीक। ठीक। लेकिन पूरी परियोजना में कुछ भी नहीं विस्तारित था, और एक या दो परियोजना नहीं थी, जिन पर अतिरिक्त प्रावधान बनाया गया होगा?



उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

जी, जी, जी। यह प्रमुख था, जिसकी जानकारी हम पहले ही दे चुके हैं।

ए- कृणाल शाह

ठीक। ज़रूर। और फिर, समाधान पक्ष की ओर, निस्संदेह कुछ परियोजनाएं थीं, जो उन्नत चरण में थीं और आपने झाबुआ और दक्षिण पूर्व यू.पी. की तरह उल्लेख किया था। लेकिन अनुमानित समय-सीमा क्या है? क्योंकि मुझे लगता है कि पिछली बार भी हमने इस बात पर प्रकाश डाला था कि शायद उनमें से कई अभी भी बहुत अधिक उन्नत अवस्था में हैं, ठीक है? तो यह केएसके और सभी के संदर्भ में हो। तो हमें इनमें से अधिकतर परियोजनाओं को कैसे देखना चाहिए? तो पिछली बार, हमने लैनको, केएसके और सभी के संदर्भ में क्या हाइलाइट किया था, तो अब इनमें से कुछ परियोजनाओं में और यहां तक कि आईपीसी या हल्दिया की तरह, क्या प्रगति हुई है?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

तो जैसा कि आप जानते हैं, कोविड के कारण, एनसीएलटी समाधान और एनसीएलटी के बाहर समाधान धीमा हो रहा है। तो आप भारत उत्कल के बारे में पूछ रहे थे, इस संबंध में, जेएसडब्ल्यू द्वारा एक बोली लगाई गई थी, और इसे वापस ले लिया गया है और कुछ भौतिक परिवर्तन के कारण, अगली सुनवाई 25 फरवरी को है। और आप किन अन्य परियोजनाओं का संकेत दे रहे थे?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

लैनको, केएसके।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

लैनको को भी दो बोलियां मिली थीं जो हमें मिली थीं। और बोलियां हमारी वसूली की सीमा तक नहीं हैं, जिसका हम अनुमान लगा रहे थे, और हम सोच रहे हैं कि आगे क्या करना है। इसलिए सीओसी की बैठक होगी। और उसके आधार पर हम निर्णय लेंगे। केएसके भी पहले से ही एनसीएलटी के अधीन है। इसके अलावा, केएसके की दो अन्य सहायक कंपनियां थीं, जिन्हें इस परियोजना के समाधान के साथ विलय किया जाना था। इसलिए ऐसा नहीं किया जा रहा है। तो संयुक्त समाधान - हमने सोचा कि हम अन्य दो सहायक कंपनियों के साथ संयुक्त समाधान के साथ आगे बढ़ेंगे।



ए- कुणाल शाह

तो क्या इसका मतलब यह है कि आपने झाबुआ की तरह प्रकाश डाला और दक्षिण पूर्व अगले छह, नौ महीनों में होगा, तो क्या हमें यह मान लेना चाहिए कि इसका समाधान करने में कुछ और समय लग सकता है या शायद यह भी होना चाहिए - हम अगले पर इसकी उम्मीद कर सकते हैं दो तिमाहियों या दो, तीन तिमाहियों में?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

तो यह एनसीएलटी प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। हम एनसीएलटी के तहत परियोजनाओं के समाधान के लिए कोई समय-सीमा नहीं तय कर सकते।

ए- कुणाल शाह

ठीक। बहुत - बहुत धन्यवाद। धन्यवाद।

(संचालक अनुदेश)

अगला प्रश्न दाइवा कैपिटल मार्केट्स से पुनीत श्रीवास्तव की पंक्ति से है। कृपया प्रश्न पूछें।

प्रश्न - पुनीत श्रीवास्तव

हां। शुभ संध्या। महोदय, तो पहला प्रश्न फिर से प्रावधान पक्ष पर था। बेशक, आपने एक परियोजना में जाने वाले 6 बिलियन रुपए के बारे में बताया। लेकिन मुझे सिर्फ यह पुष्टि करने की जरूरत है कि क्या आपके ईसीएल प्रावधान, सामान्य प्रावधान के संदर्भ में इस तिमाही में राज्य ऋण के प्रावधानों में कोई वृद्धि हुई है?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

देखिए, यह केवल राज्य क्षेत्र के ऋण में मानक \$ है। और यह एकमात्र ऋण है जहां प्रमुख प्रावधान हो रहा है। अन्यथा, अन्य परियोजनाओं में छोटे बदलाव हो सकते हैं क्योंकि हमारे पास कई राज्य क्षेत्र की परियोजनाएं हैं। तो यह प्रमुख है, जिसकी जानकारी हम आपको पहले ही दे चुके हैं।

प्रश्न - पुनीत श्रीवास्तव

ठीक। तो तिमाही के दौरान विनियामक प्रावधान के मामले में कोई वृद्धि नहीं हुई, है ना?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

नहीं।

प्रश्न - पुनीत श्रीवास्तव

ठीक। और उत्पादन ऋण पर एक सवाल। वे कम हो गए हैं। बेशक, तिमाही के दौरान संवितरण में मंदी रही। लेकिन फिर भी, तिमाही के दौरान पूरी ऋण बही में गिरावट आई है, क्या आप उस पर कुछ प्रकाश डाल सकते हैं?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

तो हमारे दो ऋणकर्ताओं ने हमें प्रीपेड किया है। ऐसा इसलिए था क्योंकि ये उत्पादन परियोजना थी, और उन्हें आत्मनिर्भर कार्यक्रम के तहत निधि मिली, और उनके पास नगदी प्रवाह था, इसलिए उन्होंने हमें प्रीपेड किया।

प्रश्न - पुनीत श्रीवास्तव



वह राज्य क्षेत्र में था या निजी क्षेत्र में?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

नहीं, यह राज्य क्षेत्र में था। मुख्य रूप से, यह राज्य क्षेत्र में था। एक सीपीएसयू वहां था। और दूसरा भी राज्य क्षेत्र में।

प्रश्न - पुनीत श्रीवास्तव

ठीक। समझ लिया। सर, बस एक आखिरी सवाल। मार्जिन पक्ष पर, निश्चित रूप से, यह मजबूत रहा है, और स्प्रेड भी मजबूत हैं। लेकिन ऐतिहासिक रूप से, अगर हम मार्जिन देखें, तो स्प्रेड पहले 2% के निचले स्तर पर भी चला गया है। तो उस संदर्भ में, महोदय, आप आगे बढ़ने वाले स्प्रेड और मार्जिन के लिए किस तरह का जोखिम देख रहे हैं?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

हम अपने ऋण पोर्टफोलियो में विविधता ला रहे हैं ताकि हम कम लागत पर निधियां जुटा सकें, और जो भी हो, हम देखते हैं कि ऋण की हमारी लागत कम हो रही है जैसे कॉर्पोरेट बॉण्ड मार्केट, रिटेल बॉण्ड मार्केट आदि से जुटाना, उसके आधार पर हम तय करेंगे कि हम कैसे आगे बढ़ेंगे और देखेंगे कि हम कैसे ऋण की अपनी लागत को कम कर सकते हैं और अपने स्प्रेड को बनाए रख सकते हैं।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

और दीर्घावधि में, हम अपने प्रसार को युक्तिसंगत बनाना चाहेंगे, और हम अपने ग्राहकों को ऋण की कम लागत का हितलाभ देने की कोशिश करेंगे।

प्रश्न - पुनीत श्रीवास्तव

तो महोदय, क्या हम कह सकते हैं, श्रीमान, उस संदर्भ में, क्या आप इन स्तरों से स्प्रेड के नीचे आने की उम्मीद करते हैं?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

हां। आप जानते हैं कि हमारी आय काफी लंबे समय से स्थिर बनी हुई है, और जबकि हमारी ऋण की लागत लगातार कम हो रही है।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

हम आगे बढ़ने की सोच रहे हैं, और हम देखेंगे कि हम अपने ऋणकर्ताओं को क्या हितलाभ दे सकते हैं।

प्रश्न - पुनीत श्रीवास्तव

ठीक महोदय। धन्यवाद।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

धन्यवाद।



संचालक

अगला प्रश्न एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आनंद लड्डा की पंक्ति से है। कृपया प्रश्न पूछें।

प्रश्न - आनंद लड्डा

नमस्ते महोदय।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

नमस्कार।

प्रश्न - आनंद लड्डा

महोदय, हम चरण 3 परिसंपत्ति पर अतिरिक्त प्रावधान कर रहे हैं। तो अब एनसीएलटी के अंतर्गत, हमारे पास 65% का कवरेज है। क्या आप मानते हैं कि यह पर्याप्त प्रावधान है? और वृद्धिशील रूप से, हमें किसी और प्रावधान की आवश्यकता नहीं है? या क्या आप अब भी मानते हैं कि अगर देरी होती है, तो आपको ईसीएल वृद्धि के कारण एनसीएलटी एक्सपोजर पर उच्च प्रावधान करना होगा?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

तो यदि आप अतीत में देखें, तो हम अपने ऋण का लगभग 50% से 60% तक की वसूली कर रहे हैं, जो भी समाधान हुए हैं। तो यह प्रावधान आने वाले समय में भी सफल होना चाहिए।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

हमारे प्रावधान मॉडल के अनुसार हमें प्रत्येक परिणाम पर अर्थात् तिमाही आधार पर अनुमानित क्रेडिट हानि की गणना करनी होती है। इसलिए किसी भी बड़े बदलाव के मामले में, यह सकारात्मक हो, नकारात्मक हो, हम विशिष्ट परियोजना की अनुमानित ऋण हानि की समीक्षा करेंगे।

प्रश्न - आनंद लड्डा

और वर्तमान तिमाही में क्योंकि हमने टेनजेडको पर 600 करोड़ रुपए प्रदान किए हैं, किस शर्त पर या हमारे लिए क्या आवश्यकता हो सकती है ताकि हम इस प्रावधान को उलट सकें? या यह एक मानक परिसंपत्ति प्रावधान के रूप में बना रहेगा?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

तो यह टेनजेडको की रेटिंग पर आधारित था। इसलिए आगे चलकर यदि उनकी वित्तीय स्थिति में सुधार होता है, तो स्वतः ही इस रेटिंग में सुधार होगा, और यह उलट हो जाएगा।

प्रश्न - आनंद लड्डा

ठीक। महोदय, इस तिमाही में, हमारी शुल्क आय है -- क्या इस शुल्क तत्व में कोई एक था?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

देखिए, जैसा कि महोदय ने आपको बताया है कि कुछ ऋणों का पूर्व भुगतान किया गया था, इसलिए शुल्क आय में शुल्क के लिए पूर्व भुगतान शुल्क शामिल हैं।



प्रश्न - आनंद लड्डा

और यदि आप परिमाणित कर सकते हैं, तो उसकी मात्रा क्या है?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

देखिए, अभी हमारे पास आंकड़े सामने नहीं हैं।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

हम इसे आपके साथ साझा करेंगे।

प्रश्न - आनंद लड्डा

ठीक। इसके अलावा, महोदय, पी एंड एल में, उचित मूल्य परिवर्तन पर मार्क-टू-मार्केट हानि हुई है - इस तिमाही में, 76 करोड़ रुपए। और नौ महीनों में, यह लगभग 500 करोड़ रुपए के बराबर है। तो यह मार्क-टू-मार्केट हानि - या उचित मूल्य परिवर्तन, यह - निवेश बुक के किस हिस्से पर, हम इसे ले रहे हैं?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

माफ कीजिए? क्या आप दोहरा सकते हैं?

प्रश्न - आनंद लड्डा

हमें मार्क-टू-मार्केट घाटा हुआ है या हम इस तिमाही में 76 करोड़ रुपए का उचित मूल्य परिवर्तन कहते हैं। और नौ महीनों में, यह लगभग 500 करोड़ रुपए प्रति उचित मूल्य परिवर्तन जैसा है। तो निवेश बुक के किस हिस्से पर हम यह उचित मूल्य परिवर्तन ले रहे हैं?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

देखिए, यह मार्क-टू-मार्केट हेज्ड ऋण पर है।

प्रश्न - आनंद लड्डा

ठीक। उत्तम। उत्तर के लिए धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न एसबीआई लाइफ के सुब्रत झावेरी की पंक्ति से है। कृपया प्रश्न पूछें।

प्रश्न - विश्लेषक

नमस्ते। मेरे प्रश्न पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। तो यह टेनजेडको पर है। यह अभी भी समय पर भुगतान कर रहा है, है ना? तो डीपीडी के संदर्भ में, यह समय पर होगा। टेनजेडको ने एक भी दिन की देरी नहीं की है, है ना?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

हां।

हां, हमें समय पर भुगतान मिल रहा है।



प्रश्न - सुब्रत झावेरी

ठीक। तो यह सिर्फ इतना है कि आपकी आंतरिक रेटिंग, डाउनग्रेड थी, यही वजह है कि प्रावधान बढ़ गए हैं?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

तो ईसीएल मॉडल में, हमारे पास डिफॉल्ट और लॉस गिवन डिफॉल्ट की यह संभावना है। इसलिए रेटिंग के लिए अगर इसे डाउनग्रेड किया जाता है तो डिफॉल्ट की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए इस संबंध में उस प्रावधान को बढ़ा दिया गया है।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

हां, यह एक मानक बात है, और डिफॉल्ट की संभावना को कंपनी की रेटिंग से जोड़ा गया है।

प्रश्न - सुब्रत झावेरी

समझा। समझा। और यह पिछले वित्तीय, ईसीएल मॉडल पर आधारित है?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

यह ईसीएल मॉडल पर आधारित है।

प्रश्न - सुब्रत झावेरी

नहीं, मेरा मतलब है कि ईसीएल मॉडल पूरी तरह से पिछले वित्तीय पर आधारित है?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

यह ज्यादातर पिछले कार्य-निष्पादन पर आधारित है। लेकिन आगे बढ़ते हुए, हम यह भी देखेंगे कि डिफॉल्ट होने के संबंध में सामान्य संभावना क्या है।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

चूंकि इसे डाउनग्रेड किया गया है, इसलिए यह इस बात का भी ध्यान रखता है कि भविष्य की संभावना क्या होगी क्योंकि रेटिंग से लिंक करना एक हिस्सा है। और पिछला कार्य-निष्पादन, एक अलग हिस्सा है। तो एक साथ लेते हुए, यह विशेष बात सामने आती है।

प्रश्न - सुब्रत झावेरी

ठीक। और सरकारी क्षेत्र के ऋणों पर मेरा अंतिम प्रश्न। तो यहां, क्या कोई ऋण है जो 0 डीपीडी से अधिक है, 90 डीपीडी से कम है? 1 से 90 डीपीडी तक, क्या कोई ऋण है?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

तो सरकारी क्षेत्र में, जैसा कि आप जानते होंगे, कि इसमें कुछ देरी हुई है - हमेशा थोड़ा सा अतिदेय होता है। लेकिन एक भी सरकारी क्षेत्र की कोई परियोजना नहीं है, जो तीसरे चरण में है।

प्रश्न - सुब्रत झावेरी



ठीक। नहीं, तो एक समय पर, मुझे लगता है कि चरण 2 पर, यह काफी बड़ी राशि थी, जो वहां थी। मुझे लगता है कि पिछली तिमाही; आपने इसका प्रकटीकरण किया था। और उससे पहले सरकारी क्षेत्र में कभी भी किसी प्रकार की देरी नहीं होती थी। तो क्या चरण 2 में कोई मूवमेंट हुआ है?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

देखिए, स्थगन के बाद, कुछ राज्यों ने भुगतान में देरी की है, लेकिन 90 दिनों की देरी से पहले ही सभी को क्लियर कर दिया गया है।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

इसलिए राज्य क्षेत्र में हमारे ऋणकर्ता ज्यादातर राज्य जेनको हैं, इसलिए वे लिक्विडिटी पैकेज के अंतर्गत नहीं आते हैं। लेकिन हालांकि, उनके पास जो भी नकदी प्रवाह है, जो वे केंद्रीय उत्पादकों को भुगतान करते थे, वह नकदी प्रवाह अब राज्य जेनको के लिए उपलब्ध है। और धीरे-धीरे, स्थगन समाप्त हो रहा है और कोविड की स्थिति बेहतर हो रही है, इसलिए राज्य क्षेत्र में चरण 2 की परिसंपत्ति कम हो जाएगी क्योंकि उन्हें डिस्कॉम से भुगतान मिलेगा, और वे हमें भुगतान करने में सक्षम होंगे।

प्रश्न - सुब्रत झावेरी

ठीक है ठीक है। बहुत - बहुत धन्यवाद।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न इक्विटी सिक्क्योरिटीज के श्रीपाल दोशी की पंक्ति से है। कृपया प्रश्न पूछें।

उत्तर- श्रीपाल दोशी

नमस्ते महोदय। शुभ संध्या महोदय, मेरा पहला प्रश्न था, श्रीमान, उन दो प्रस्तावों के संबंध में जो हम अगले 6 से 9 महीनों में उम्मीद कर रहे हैं, अर्थात् झाबुआ पावर और साउथ ईस्ट यू.पी. पारेषण। महोदय, इन दो परियोजनाओं के लिए हमारा कवरेज क्या है? क्योंकि, झाबुआ पावर के लिए, मुझे वह याद है -- आपने कहा था कि एनटीपीसी वहां एक सफल बोलीदाता है। तो क्या अपडेट है सर, वहां?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

तो एनटीपीसी एच1 था। लेकिन चर्चा के दौरान, उन्होंने अपना काम कम कर दिया था, और हम उनके साथ चर्चा कर रहे हैं और सीओसी इसके लिए आगे के लिए चर्चा कर रही है। और झाबुआ के लिए हम पहले ही 56% का प्रावधान कर चुके हैं। दक्षिण पूर्व में भी, समाधान एनसीएलटी के अधीन है, और हमने इसे जमा करने की तारीख बढ़ा दी है और प्रावधान हमने पहले ही 41% कर दिया है।

उत्तर- श्रीपाल दोशी

ठीक। ठीक। महोदय, मेरा दूसरा प्रश्न टैनजेडको में हमारे कार्य-निष्पादन के संबंध में था। तो वहां हमारा एक्सपोजर क्या होगा, जिसके लिए हमने 600 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है?



उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

लगभग 30,000 करोड़ रुपए।

उत्तर- श्रीपाल दोशी

ठीक। 30,000 करोड़ रुपए। ठीक। और महोदय, हमारे चरण एक और दो पर, क्या हम इस कोविड घटना के कारण किसी भी लेख के एनपीए में जाने का कोई जोखिम देखते हैं?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

तो ज्यादातर, ये चरण 2 में राज्य क्षेत्र की परियोजनाएं हैं। अतीत से, हमने देखा है कि भुगतान में कुछ देरी हो रही है, लेकिन आखिरकार, वे भुगतान करते हैं, और हमें इस खंड में कोई एनपीए नहीं दिखता है।

उत्तर- श्रीपाल दोशी

ठीक। और महोदय, हमारे पास जो एनपीए प्रावधान हैं, उनके अतिरिक्त हमने क्या अतिरिक्त प्रावधान किया है? जैसे - मेरा मतलब है, हमारे द्वारा सृजित संख्या का कोविड बफर प्रकार क्या होगा?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

देखिए, जैसा कि हम पहले ही बता चुके हैं कि यह एक विशिष्ट परिसंपत्ति के निमित्त है। हमने कोई कोविड बफर नहीं बनाया है। यह अनुमानित ऋण हानि है कि हमने प्रत्येक परियोजना के लिए काम किया है और उसके आधार पर चरण 1 और चरण 2 के तहत प्रावधान किया गया है।

उत्तर- श्रीपाल दोशी

ठीक। ठीक। समझ लिया। समझ लिया। और महोदय, एक आखिरी सवाल यह था कि क्या - जैसे आपने किसी लेख का पुनर्गठन किया है या क्या हमारे पास कुछ भी है जिसके लिए पुनर्गठन की आवश्यकता होगी, कोई लेखा?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

देखिए, इस तिमाही 3 में, हमने आर.के.एम. का पुनर्गठन किया है। समाधान को सफलतापूर्वक लागू कर दिया गया है और हम एक अन्य परियोजना के पुनर्गठन की प्रक्रिया में हैं। इसलिए शायद हम उम्मीद करते हैं कि इस वित्तीय वर्ष के इस विशेष तिमाही 4 में इसका समाधान हो जाएगा। इंडिया पावर हल्डिंग्स में, पीएफसी और आरईसी द्वारा समाधान को अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है।

उत्तर- श्रीपाल दोशी

जी, जी, जी। ठीक। बहुत - बहुत धन्यवाद। बहुत - बहुत धन्यवाद।

संचालक

अगला प्रश्न रेयर एंटरप्राइजेज के प्रणव तेंदोलकर की पंक्ति से है। कृपया प्रश्न पूछें।

उत्तर- प्रणव तेंदोलकर

नमस्ते। इस मौके के लिए आपका धन्यवाद। महोदय, आरकेएम में हमारा क्या एक्सपोजर था?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन



5,015 करोड़ रुपए।

उत्तर- प्रणव तेंदोलकर

ठीक। तो यह पूरा एक्सपोजर है जो हमारे पास है?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

जी।

उत्तर- प्रणव तेंदोलकर

ठीक। तो -- और इंडिया पावर हल्दिया से हमारा क्या एक्सपोजर है?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

959 करोड़ रुपए।

उत्तर- प्रणव तेंदोलकर

ठीक है श्रीमान। महोदय, अगले वर्ष, आपके द्वारा उल्लिखित परियोजनाओं सहित, आपके अनुमान में कितनी परियोजनाओं को एनसीएलटी और एनसीएलटी के बाहर विभिन्न तंत्रों के माध्यम से समाधान किया जा सकता है?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

यह सब इस बात पर निर्भर करेगा कि प्रगति कैसे होती है। जैसा कि हमने संकेत दिया था, एनसीएलटी के समाधान के अंतर्गत 17 परियोजनाएं हैं। और बाहर, 7 परियोजनाएं हैं। और 16,000 करोड़ रुपए एनसीएलटी के अधीन है और 5,000 करोड़ रुपए एनसीएलटी के बाहर है।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

जिनमें से एक हम इस तिमाही 4 में समाधान करने की उम्मीद कर रहे हैं।

उत्तर- प्रणव तेंदोलकर

सही। जिसका आपने उल्लेख किया, वह इंडिया पावर है?

उत्तर- प्रणव तेंदोलकर

सही। महोदय, मानक निजी में से जो हमारे पास बकाया है, अर्थात्, मुझे लगता है, 37,000 करोड़ रुपए और - 37,642 करोड़ रुपए, क्या सभी परियोजनाएं चालू हैं?

तो 37,642 करोड़ रुपए मानक है, और मुझे लगता है कि 21,300 करोड़ रुपए चरण 3 है। तो मैं कह रहा हूँ कि मानक 37,642 करोड़ रुपए, इनमें से कितने चालू हैं?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

उनमें से कुछ कार्यान्वयन के अधीन हैं, उनमें से कुछ, लेकिन उनमें से अधिकांश चालू हैं।

उत्तर- प्रणव तेंदोलकर



ठीक। तो 70%-80% चालू होगा, मोटे तौर पर?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

जी।

उत्तर- प्रणव तेंदोलकर

ठीक है श्रीमान। ठीक। तो वह एक है। और मेरा आखिरी सवाल है, श्रीमान, जैसा कि आपने उल्लेख किया है कि आपने डिस्कॉम के लिए आत्मनिर्भर योजना हेतु लगभग 65,793 करोड़ रुपए संस्वीकृत किए हैं और आरईसी एवं आपने कुल मिलाकर 1,31,000 करोड़ रुपए संस्वीकृत किए हैं। तो क्या समय-सीमा है जब यह संवितरित हो जाता है और इसके परिणामस्वरूप जेनको की प्राप्तियों में कमी आती है?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

तो यह दो ट्रांच में था; इसलिए ट्रांच 1, ज्यादातर हमने संवितरित किया है, और ट्रांच 2 कई शर्तों पर आधारित है। उन्हें एसीएस-एआरआर गैप जैसी अपनी हानि को कम करने के लिए एक कार्य योजना प्रस्तुत करनी होगी। इसलिए उन्हें प्रस्तुत करना होगा। अन्य चीजें भी हैं जैसे स्मार्ट मीटर की संस्थापना और सरकार से सब्सिडी का भुगतान और सरकारी बकाया राशि का भुगतान। इसलिए इन शर्तों के पूरा होने के बाद ही, हम ट्रांच 2 में संवितरण कर पाएंगे। इसलिए शायद अगले छह महीनों के भीतर, हम विद्युत संस्था के संबंध में ट्रांच 2 में एक अच्छी राशि का संवितरण करने में सक्षम होंगे, जो हमारी एक कार्य योजना है।

उत्तर- प्रणव तेंदोलकर

धन्यवाद। ठीक ठीक। तो यह सशर्त है, और इसे अगले एक साल में संवितरित किया जाएगा, शायद?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

अगले छह से नौ महीने।

उत्तर- प्रणव तेंदोलकर

ठीक। महोदय, इन डिस्कॉम को भी, कोविड के बाद, क्या उनकी मूल प्राप्तियों में सुधार हुआ है? जैसे, क्या वे अब कम से कम इसका उचित मूल्य निर्धारण कर रहे हैं ताकि नई प्राप्तियां न सृजित करें? क्योंकि यह एक चल रही समस्या की तरह दिखता है। हर बार सरकार बचाती है, और फिर डिस्कॉम अपने पुराने तरीकों से नहीं हटती हैं। वे पुनः आ जाएंगे। इसलिए यदि आप केवल मूल प्राप्तियों पर विचार करते हैं कि वे हैं - तो क्या कोविड की मांग को नियमित करने के बाद भी कोई नई प्राप्तियां सृजित की जा रही हैं?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

इसलिए यदि प्राप्तियों को प्रगति पोर्टल पर डाल दिया जाता है, जो सार्वजनिक डोमेन में है, तो प्राप्तियों की संख्या में मामूली वृद्धि हुई है।

उत्तर- प्रणव तेंदोलकर

ठीक। ठीक।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन



लेकिन अंततः, बकाया राशि के भुगतान के साथ, इसलिए उनकी प्राप्तियां अंततः कम हो जाएगी।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

साथ ही, जब यह ट्रांच 2 संवितरण होगा, तो इससे इन प्राप्तियों को कम करने में मदद मिलेगी।

उत्तर- प्रणव तेंदोलकर

हां। तो यह मेरा सटीक बिंदु था कि भले ही आपने लगभग 46,000 करोड़ रुपए का संवितरण किया हो, लेकिन प्राप्तियां बिल्कुल भी कम नहीं हुई हैं। प्रगति पोर्टल में ही, आपके द्वारा संवितरण के बावजूद प्राप्तियां बिल्कुल भी कम नहीं हुई हैं। तो मेरा सवाल इस तरह से आ रहा था।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

देखिए, हमने जो ट्रांच 1 संवितरित की है, उसने जेनको और आईपीपी को उनकी देय राशि कम कर दी है। तो अंततः, वे सब्सिडी बकाया और सरकारी विद्युत बकाया के निमित्त प्राप्त करेंगे, जो उन्हें प्राप्त होने वाले हैं। इसलिए उन प्राप्तियों को कम करने में समय लगेगा।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

लेकिन आप इस अर्थ में सही हैं कि वास्तव में उनकी संग्रह दक्षता में कमी आई है, जैसा कि डिस्कॉम द्वारा रिपोर्ट किया गया है, कोविड समय के दौरान कम हो गया है।

उत्तर- प्रणव तेंदोलकर

तो, क्या यह वापस सामान्य स्थिति में नहीं आया है?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

इसमें कुछ और समय लगेगा। यह सामान्य संकेत है, लेकिन वे इस पर काम कर रहे हैं। और भारत सरकार के स्मार्ट मीटरों और अन्य पहलों की स्थापना उसी दिशा में है ताकि संग्रह दक्षता और उनकी बिलिंग दक्षता में सुधार हो सके।

उत्तर- प्रणव तेंदोलकर

और उस नई तकनीक की स्वीकृति, स्मार्ट मीटर, वगैरह, डिस्कॉम भागों पर अच्छा है या यह केवल पुराने की तरह है, वे इसके बारे में ज्यादा चिंतित नहीं हैं?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

तो स्मार्ट मीटर के साथ, बिजली खरीदने से पहले, आपको इसके लिए भुगतान करना होगा। इसलिए यह उनको भुगतान कर रहा है। तो जाहिर तौर पर यह उनके लिए बेहतर है।

उत्तर- प्रणव तेंदोलकर

क्या वे अच्छी ताकत के साथ लागू कर रहे हैं या उदाहरण के लिए कार्यान्वयन में वे कमजोर हैं?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

वे अमल कर रहे हैं। और नई योजना के अंतर्गत, वे इन स्मार्ट प्रीपेड मीटरों को संस्थापित करने पर होंगे।



उत्तर- प्रणव तेंदोलकर

जी, जी। महोदय बहुत-बहुत धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न बोनान्जा पोर्टफोलियो लिमिटेड के मोहित भंसाली की पंक्ति से है।

उत्तर- मोहित भंसाली

महोदय, अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में, आपने उस लाभांश का उल्लेख किया है, आप भुगतान करने में सक्षम नहीं हैं क्योंकि आरबीआई मसौदा दिशानिर्देशों और बफर और सभी, तो बस जिज्ञासा से जानना चाहता था कि यह एक काल्पनिक प्रश्न है कि जब आप सोचते हैं कि यह विचार-विमर्श और सब कुछ सुलझा लिया जाएगा और आप लाभांश तय करने में सक्षम होंगे, कितना भुगतान किया जा सकता है?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

इसलिए जैसा कि आप जानते हैं कि पर्याप्त पूंजी बफर होना चाहिए और लाभांश के लिए इस मसौदा दिशानिर्देश के साथ, हम सरकार के साथ चर्चा कर रहे हैं। चर्चा के आधार पर हम देखेंगे कि हम यह लाभांश कब दे पाते हैं।

उत्तर- मोहित भंसाली

महोदय, मैं यही चाहता था, अनुमानित समय, कुछ आप दे सकते हैं कि स्पष्टता कब आएगी?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

यह तिमाही, शायद इस तिमाही के अंत में।

उत्तर- मोहित भंसाली

जी, ठीक है सर। बहुत-बहुत धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न विंडएकर पार्टनरशिप के एंड्र्यू लुंडस्ट्रॉम की पंक्ति से है। कृपया प्रश्न पूछें।

उत्तर- एंड्र्यू लुंडस्ट्रॉम

नमस्ते। प्रश्न पूछने के लिए धन्यवाद। आपने पहले अपने ग्राहकों को आय या स्प्रेड से कुछ हितलाभ प्रदान करने की चर्चा की थी। और मैं पूछना चाहता था कि क्या ऐसा कुछ प्रतिस्पर्धी दबाव के कारण है जिसकी आप अपेक्षा करते हैं या जो आप पहले से ही देख रहे हैं, आप उस हितलाभ को क्यों देंगे?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

तो यह एक सामान्य बात है। ऋण की हमारी लागत के आधार पर, हम ब्याज दरें तय करते हैं और ऋण की कम लागत का हितलाभ आम तौर पर हमारे ग्राहकों को दिया जाएगा। नवंबर में भी हमने यह हितलाभ दिया था।

प्रश्न- एंड्र्यू लुंडस्ट्रॉम



ठीक। पहले आपने यह भी उल्लेख किया था कि आपको लैनको प्रस्ताव के लिए कम बोलियां प्राप्त हुई थीं। क्या आप इसके बारे में कुछ और बात कर सकते हैं? उस ऋण की राशि क्या है? और आपको क्यों नहीं लगता कि बोलियां उस स्तर पर थीं जिसकी आप उम्मीद कर रहे थे?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

इसलिए लैनको में हमें दो पक्षकारों से दो प्रस्ताव मिले थे। और बोलियां लगभग 1 करोड़ रुपए प्रति मेगावाट थीं। तो हम क्या सोचते हैं क्योंकि यहां दो इकाइयां चालू हैं अर्थात् 300 मेगावाट की दो इकाइयां और 660 मेगावाट की दो इकाइयां निर्माणाधीन हैं। इसलिए हम सोचते हैं कि मूल्य वह नहीं है जो हम प्राप्त करने की सोच रहे थे। इसलिए आगे बढ़ते हुए, ऋणदाता देख रहे हैं कि परियोजना के लिए बेहतर मूल्य प्राप्त करने के लिए हमारे पास कौन से विकल्प उपलब्ध हैं। साथ ही, एक विकल्प यह भी है कि हम इस परियोजना को अपने हाथ में लेने का निर्णय ले सकते हैं।

उत्तर- एंड्रयू लुंडस्ट्रॉम

ठीक। क्या किसी अन्य ऋण पर इस तरह का कोई नकारात्मक परिवर्तन है।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

इसलिए जैसा कि हमने भी संकेत दिया था, अगर हमें झाबुआ के लिए भी अच्छा मूल्य नहीं मिलता है, तो हम देखेंगे कि आगे का रास्ता क्या होगा क्योंकि वह भी एक चालू परिसंपत्ति है, जो 55% पीएलएफ पर चल रही है।

उत्तर- एंड्रयू लुंडस्ट्रॉम

जी। समय देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

संचालन

धन्यवाद। अगला प्रश्न व्हाइट ओक से निखिल नियति की पंक्ति से है कृपया प्रश्न पूछें।

प्रश्न- निखिल नियति

हां। नमस्ते महोदय। महोदय, क्या आप बता सकते हैं कि आर.के.एम पावरजेन में क्या हुआ था? और यह किस पुनर्गठन से गुजरा है?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

तो आरकेएम में, हमने एक पुनर्गठन किया है, और परियोजना में हमने 60% की वसूली की है।

प्रश्न- निखिल नियति

महोदय, हम सिर्फ यह समझना चाहते थे कि पुनर्गठन में वास्तव में क्या हुआ है? मेरा मतलब है कि कौन सी पार्टी अब इस परियोजना को चलाने जा रही है? आपका क्या मतलब है जब आप कहते हैं कि आपने वसूली कर ली है, सिर्फ निधि अर्जित करने के लिए और परियोजना को खरीदा गया है या क्या हुआ है?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

यह मौजूदा प्रबंधन के पास है - हां, मौजूदा प्रमोटर।



प्रश्न- निखिल नियति

और हमारा पैसा चुकाया गया है?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

नहीं, इसका भुगतान नहीं किया गया है।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

ऋण का पुनर्गठन केवल मौजूदा प्रमोटरों के साथ किया गया है।

प्रश्न- निखिल नियति

तो जब आप कहते हैं कि समाधान हो गया है, तो मूल रूप से आप एक मौजूदा प्रमोटर के साथ एक व्यवस्था पर पहुंच गए हैं, जिसमें आपने उसे ऋण चुकाने के लिए प्रत्येक सीएसपी के अनुसार एक और संशोधित नकदी प्रवाह समय-सीमा दी है? और जाहिर है --

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

यह टिकाऊ और गैर-सतत ऋण पर निर्भर करता है।

प्रश्न- निखिल नियति

और क्या है - मेरा मतलब है, वर्तमान क्या है - यह लगभग 1,300 गीगावाट संयंत्र है, है ना?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

नहीं, यह 360 मेगावाट की 4 इकाइयां हैं।

प्रश्न- निखिल नियति

तो यह अब पूरी तरह से चालू है?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

इसलिए तीन इकाइयां काम कर रही हैं और एक इकाई हम एक निश्चित समय-सीमा के भीतर काम करना शुरू कर देंगे।

प्रश्न- निखिल नियति

और हम यहां पर एकमात्र ऋणदाता हैं?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

नहीं नहीं। हम एकमात्र ऋणदाता नहीं हैं। इसमें कई ऋणदाता हैं।

प्रश्न- निखिल नियति

तो तीन इकाइयां, जो चालू हैं, जो मान लीजिए, लगभग 1,000 मेगावाट, 1,080 मेगावाट से अधिक आ जाएंगी। तो वहां पर, कितने - कुल कितना ऋण है? और मेरा मतलब है, अब कितना ऋण चुकाना है? तो हमारा ऋण होगा



- जब आप कहते हैं कि 60% की वसूली हुई, तो हमारा ऋण 3,000 करोड़ रुपए है जो इन 3 इकाइयों पर है। कुछ और ऋण होगा, जो दूसरे ऋणदाताओं का भी होगा। तो कुल ऋण क्या है, जिसे 3 इकाइयों द्वारा चुकाया जाना चाहिए?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

कुल मिलाकर, परियोजना पर 9,000 करोड़ रुपए से अधिक का ऋण होगा।

प्रश्न- निखिल नियति

और इसलिए क्या हम यह मान लें कि ये 3 इतनी पूंजी वसूल कर पाएंगे जो इस 9,000 करोड़ रुपए के ऋण को चुकाएगी?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

तो 9,000 करोड़ रुपए, जैसा कि हमने संकेत दिया था, कि वसूली 60% है। और आगे बढ़ते हुए, हमें लगता है कि यह आरपी4 रेटिंग प्राप्त करने वाले पुनर्गठन और स्थायी ऋण पर आधारित होगा। तो जाहिर है, वे हमें चुकाने में सक्षम होंगे।

प्रश्न- निखिल नियति

क्योंकि यदि आप 9,000 करोड़ रुपए का 60% कहते हैं, तो इसका मतलब यह भी होगा कि लगभग 6 करोड़ रुपए प्रति मेगावाट केवल ऋण के मोर्चे पर चुकाने की आवश्यकता है।

संचालक

निखिल, ज़रा रुकिए, ऐसा लगता है कि प्रबंधन की लाइन कट गई है। प्रतिभागियों से अनुरोध है कि जब तक हम प्रबंधन को फिर से जोड़ते हैं, तब तक जुड़े रहें। हमने प्रबंधन की लाइनें फिर से जोड़ दी हैं। निखिल, आप अपना प्रश्न दोहराना चाहेंगे?

प्रश्न- निखिल नियति

हां। तो मैं कह रहा था -- सबसे पहले, आरकेएम पर, हम बस यह समझना चाहते हैं कि यदि आप कुल 9,000 करोड़ रुपए के ऋण का 60% कहते हैं, तो, इसका भी मतलब होगा कि 1,080 मेगावाट से, 5,400 करोड़ रुपए का ऋण चुकाना होगा। तो हां, मुझे लगता है कि प्रबंधन परियोजना से संबंधित कुछ विशेषताओं पर प्रकाश डाल रहा था, जिससे इसमें मदद मिलेगी।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

तो समाधान योजना के आधार पर, स्थायी ऋण 5,600 करोड़ रुपए था। आप उसके संबंध में सही हैं। इसलिए हमें लगता है कि कम से कम यह ऋण तो स्थिर होना चाहिए।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

यह एक महत्वपूर्ण बात है, परिवर्तनीय लागत बहुत कम है। और इसका यूपी और तेलंगाना के साथ दीर्घावधि पीपीए है। और आत्मनिर्भर में, उन्हें कुछ राहत भी मिली है। तो यह वही है जो हमारी समाधान योजना है जो वास्तविक कार्य-निष्पादन और पीपीए पर आधारित है, जो हमारे पास है।



प्रश्न- निखिल नियति

ठीक। तो पीपीए लगभग 100% मात्रा के लिए हैं?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

हां।

प्रश्न- निखिल नियति

ठीक। क्या आप निजी क्षेत्र को बकाया ऋण की शीर्ष 5 परियोजनाओं के बारे में बता सकते हैं, जो कि इस 16,185 करोड़ रुपए के लिए एनसीएलटी के अंतर्गत है? शीर्ष 5 परियोजनाएं, यदि आप केवल हाइलाइट कर सकते हैं?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

सबसे बड़ा केएसके होगा।

प्रश्न- निखिल नियति

आपका मतलब केएसके महानदी है, है ना? और वह कितनी राशि होगी, लगभग 3,000-करोड़ रुपए?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

केएसके के लिए 3,300 करोड़ रुपए; फिर लैनको अमरकंटक, 2,376 करोड़ रुपए; दक्षिण पूर्व यू.पी. 2,263 करोड़ रुपए है; और एस्सार पावर, 1,345 करोड़ रुपए; और भारत उत्कल में, 1,368 करोड़ रुपए। ये शीर्ष पांच हैं।

प्रश्न- निखिल नियति

ठीक। और जैसा कि हम समझते हैं, मुझे लगता है कि पूरे लैनको समूह के लिए समाधान वार्ता चल रही है, ऋणों का समूह, जिसका आपने उल्लेख किया है, कि 1 करोड़ रुपए प्रति मेगावाट बोली जो आपको पहले ही प्राप्त हो चुकी है। और क्या आपको लैनको समूह से केवल ऋण के अतिरिक्त अन्य ऋण भी मिलेंगे?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

नहीं, लैनको गुप, यह एक्सपोजर केवल हमारे पास है।

हां। लैनको समूह समाधान एक भिन्न समाधान प्रक्रिया है। यह एक परियोजना-विशिष्ट समाधान प्रक्रिया है, जिसे हम एनसीएलटी के माध्यम से चला रहे हैं। यह लैनको अमरकंटक पावर स्पेसिफिक के लिए है। लैनको इंफ्रा एक और समाधान है जो चल रहा है, जहां हम ऋणदाता नहीं हैं।

प्रश्न- निखिल नियति

समझ गया। महोदय, 16,185 करोड़ रुपए की 17 परियोजनाओं में से कितनी पहले ही चालू हो चुकी हैं और कितनी चालू स्थिति में हैं?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

झाबुआ चालू है। केएसके, फिर से, आंशिक रूप से चालू परियोजना है। फिर से, लैनको ऊपर है - दो इकाइयां चालू हैं।



एस्सार पावर को चालू किया गया है। दक्षिण पूर्व आंशिक रूप से चालू है। तो ये हैं प्रमुख परियोजनाएं।

प्रश्न- निखिल नियति

ठीक। तो मूल रूप से, हम कह सकते हैं कि - यह मान लेना उचित है कि कम से कम 3 करोड़ रुपए से 4 करोड़ रुपए प्रति मेगावाट हमारे पीपीए के साथ उम्मीद से सक्षम होना चाहिए?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

यही हमारी अपेक्षा है। लेकिन जैसा कि हम संकेत दे रहे हैं, हमें यह मूल्य नहीं मिल रहा है।

प्रश्न- निखिल नियति

ठीक। पिछले 15 महीनों में हम जो देख रहे हैं, वह यह है कि उत्पादन स्पेस के लिए आपका संवितरण, विशेष रूप से निजी क्षेत्र में, संवितरण बहुत धीमा हो गया है। तो क्या हम यह मान सकते हैं कि आगे चलकर, हम निजी क्षेत्र पर बहुत, बहुत ही चयनात्मक होंगे, और हमारा ध्यान सार्वजनिक क्षेत्र के अधिक पक्ष को देखने पर होगा? क्योंकि निजी क्षेत्र पर हमारा ट्रेक रिकॉर्ड बहुत ही चुनौतीपूर्ण है। मेरा मतलब है कि यह शायद क्षेत्र में मंदी और सभी के कारण हुआ है, लेकिन वहां बहुत बड़ा एनपीए रहा है।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

नहीं, इसके विपरीत, हमारा निजी क्षेत्र का एक्सपोजर वास्तव में बढ़ रहा है। नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो वह जगह है जहां आज निजी क्षेत्र का निवेश आ रहा है और हम बड़ी संख्या में पुनर्वित्तपोषण प्रस्तावों और ग्रीन-फील्ड प्रस्तावों को भी देख रहे हैं। जाहिर है, कोयला आधारित उत्पादन में बहुत कम परियोजनाएं हो रही हैं। तो वहां सीमित अवसर है।

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

और हम इन नवीकरणीय परियोजनाओं के लिए अच्छे प्रमोटरों को चुन रहे हैं। हमारे कुछ प्रमुख ऋणकर्ता एज़ोर, फिर ओस्ट्रो, अदानी, एसीएमई हैं। इसलिए उनके पास अक्षय परियोजनाओं को लागू करने का बहुत अच्छा अनुभव है।

प्रश्न- निखिल नियति

और अंत में, श्रीमान, इस निजी क्षेत्र की नवीकरणीय परियोजनाओं में आपको लगभग कितनी आय प्राप्त होगी?

उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

इसलिए हम अक्षय परियोजनाओं पर जोर देते हैं, और ब्याज दरें 9.9% से 11% तक भी भिन्न हो रही हैं।

प्रश्न- निखिल नियति

जी, इसके लिए धन्यवाद। मेरी तरफ से इतना ही।

संचालक

धन्यवाद। समय की कमी के कारण यह आखिरी सवाल था। अब मैं प्रबंधन को उनकी समापन टिप्पणियों के लिए सम्मेलन भार सौंपता हूं।



उत्तर- पीएफसी प्रबंधन

बातचीत के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद, और जैसा कि आपने देखा, हमने अच्छे परिणाम और उच्चतम तिमाही लाभ दिया है। इसलिए परिणाम अच्छे रहे हैं। और मुझे उम्मीद है कि बाजार भी उसी के अनुसार प्रतिक्रिया देगा।

संचालक

आपका बहुत बहुत धन्यवाद। देवियो और सज्जनो, प्रभुदास लीलाधर की ओर से, जो आज के इस सम्मेलन का समापन करते हैं। हमसे जुड़ने के लिए धन्यवाद, और अब आप अपनी लाइनें काट सकते हैं।
